ಮಂಗಳೂರು ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾನಿಲಯ

MANGALORE UNIVERSITY

(Accredited by NAAC with 'A' Grade)

ಕ್ರಮಾಂಕ/ No. : MU/ACC/CR.46/2014-15/A2

ಕುಲಸಚಿವರ ಕಛೇರಿ
ಮಂಗಳಗಂಗೋತ್ರಿ – 574 199
Office of the Registrar
Mangalagangothri – 574 199

ದಿನಾಂಕ/Date: 15.02.2016

NOTIFICATION

Sub : Revised syllabus for Ph.D. Course work in Hindi.
Ref: Academic Council decision No.: 3:1(2015-16), dated 25.01.2016.

~~~~~

The revised Syllabus for Ph.D Coursework in Hindi which approved by the Academic Council at its meeting held on 25.01.2016 is hereby notified for implementation with effect from the academic year 2015-16.

REGISTRAR.

To:

1) The Chairmen of P.G. Departments/ Co-ordinators of P.G. Courses/ Principals of the Recognised Colleges/ Directors of Recognised Institutions of Mangalore University.
2) The Chairman, Board of Studies in subject concerned.
3) The Superintendent (ACC), O/o the Registrar, Mangalore University.
4) Guard File.
~~~~~

Mangalore University

Dept. Of P.G Studies & Research In Hindi

Syllabus of Ph.D Course Work - 2015-16

Paper- I Research Methodology : अनुसंधान प्रविधि **100 Marks**

Paper-II Review of Literature : साहित्य का पुनर्मूल्यांकन **100 Marks**

1. Hindi Fiction : हिन्दी कथा साहित्य
2. Hindi Poetry : हिन्दी काव्य
3. Hindi Drama & One act play : हिन्दी नाटक एवं हिन्दी एकांकी
4. Hindi satire Literature: हिन्दी व्यंग्य साहित्य
5. Contemporary Criticism: समकालीन विमर्श
6. Comparative Research : तुलनात्मक अनुसंधान

Paper- I - Research Methodology (अनुसंधान प्रविधि)

1. अनुसंधान परिभाषा एवं स्वरूप 2.अनुसंधान और आलोचना 3. अनुसंधान के मूल तत्व 4. अनुसंधान की प्राकल्पना 5. अनुसंधान के प्रकार : साहित्यिक, ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, मनोवेज्ञानिक, सांस्कृतिक, भाषा शास्त्रीय, तुलनात्मक साहित्य का अनुसंधान, पाठानुसंधान, 6.अनुसंधान की प्रक्रिया : अनुसंधान की विभाजन पद्दतियाँ एवं आधार, विषय निर्वाचन, रूपरेखा निर्माण, ग्रंथ सूची, सामग्री संकलन, सामग्री का अनुशीलन, उद्दरण तथा संदर्भ उल्लेख, परिशिष्ट आदि अनुसंधान का वेज्ञानिक पक्ष 7. अनुसंधान के गुण और निर्देशक की योग्यता

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी शोधतंत्र की रूपरेखा : डा. मनमोहन सहगल
2. साहित्यिक शोध के सिद्धान्त एवं समस्याएँ : डा. देवराज उपाध्याय
3. हिन्दी शोध समस्याएँ एवं समाधान : डा. कुंवरसिंह प्रकाशसिंह
4. शोध प्रविधि : आचार्य विनय मोहन शर्मा

5. अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप :डा. उर्वशी सुरति
6. साहित्य सिद्धान्त और शोध : आनन्द प्रकाश दीक्षित
7. अनुसंधान का विवेचन : डा. उदयभानु सिंह
8. अनुसंधान पद्धति : भगीरथ प्रसाद त्रिपाठी
9. अनुसंधान की प्रक्रिया : सं. सावित्री सिंह
10. शोध संदर्भ : नये आयाम : डा. जमीला आली जाफर

Paper-II Review of Literature (साहित्य का पुनर्मूल्यांकन)

1. **Hindi Fiction : हिन्दी कथा साहित्य**

हिन्दी उपन्यास :

उपन्यास की परिभाषा एवं स्वरूप : वर्गीकरण तथा विभिन्न प्रकारों का रूपात्मक अध्ययन हिन्दी उपन्यासों का आविर्भाव–तत्कालीन युग की परिस्थितियों का अध्ययन, प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास– प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंद के बाद और स्वतंत्रता के पहले का हिन्दी उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास (उन्नीस सौ साठ तक), साठोत्तर हिन्दी उपन्यास– इन सब का तत्कालीन परिवेश एवं विचारधाराओं [मनोविश्लेषण वाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, दलित एवं स्त्री विमर्श आदि] के संदर्भ में विस्तृत अध्ययन, हिन्दी के प्रमुख उपन्यासकार की प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन, व्यंग्य उपन्यास, समकालीन उपन्यास।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : डा. शिवनारायण श्रीवास्तव
2. प्रेमचंदपूर्व हिन्दी उपन्यास
3. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख : डा. इंद्रनाथ मदान
4. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि : डा. सत्यपाल चुध
5. उपन्यास शिल्प: डा. गोपालराय
6. हिन्दी उपन्यास: स्थिति और गति : डा. चंद्रकान्त बांदिवाडेकर

हिन्दी कहानी :

कहानी की परिभाषा एवं स्वरूप : वर्गीकरण तथा विभिन्न प्रकारों का रूपात्मक अध्ययन : हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास : प्रेमचंद युगीन हिन्दी कहानी, प्रेमचंद के बाद और स्वतंत्रता के पहले की कहानी, सचेतन कहानी, अकहानी, लघुकथा, दलित कहानी आदि का तत्कालीन परिवेश एवं विचारधाराओं [प्रगतिवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, दलित एवं स्त्री विमर्श आदि] के संदर्भ में विशद अध्ययन, हिन्दी के प्रमुख कहानीकारों की प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन, व्यंग्य उपन्यास, समकालीन कहानी।

सहायक ग्रंथ :

1 हिन्दी कहानी : उद्‌भ्व और विकास : डा. सुरेश सिन्हा

2 नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति: डा. देवीशंकर अवस्थि

3 नयीकहानी की भूमिका : कमलेश्वर

4 समानातर कहानी: डा. विनय

5. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया: डा. परमानंद श्रीवास्तव

6.सचेतन कहानी रचना और विचार: डा. महीप सिंह

7. समकालीन कहानी: डा. धनंजय

2. Hindi Poetry : हिन्दी काव्य :

आधुनिक हिन्दी काव्य की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ट्भूमि अध्ययन– प्राचीन साहित्य और आधुनिक साहित्य के अंतर का विशेष अध्ययन– आधुनिकता एवं आधिनिक काव्य के सामान्य लक्षण।

आधुनिक हिन्दी कविता की विभीन्न प्रवृत्तियों का एवं विभीन्न काव्य युगों के समग्र विशेषताओं का परिचय

भारतेंदु युग–द्विवेदी युग–छायावादी युग–उत्तर छायावादी युग–नयी कविता–साठोत्तरी कविता– काव्य के विविध आंदोलन।

आधुनिक कविता के रूपात्मक विकास का एवं काव्य के विभिन्न रूओं का परिचय, अपेक्षित काव्य भाषा की पहचान।

आधुनिक काव्य की बुनावट के कुछ महत्वपूर्ण घटकों का परिचय– बिम्ब पतीक, मिठक फेंटसी, काव्य की लय।

सहायक ग्रंथ :

1. आधिनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ : डा. नामवर सिंह
2. प्रगतिवाद : डा. शिवकुमार मिश्र
3. हिन्दी प्रगतिशील कविता: डा. रणजीत
4. आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियाँ: नगेंद्र
5. नयी कविता अवरूप और समस्याएँ: डा. जगदिश गुप्त
6. नयी कविता भाषा और संवेदना : डा. रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. नयी कविता सीमाएँ और संभावनाएँ: गिरिजा कुमार माथुर
8. समकालीन कविता की भूमिका: विश्वनाथ उपाध्याय
9. लक्बी कविताओं का रचना विधान : नरेंद्र मोहन।

3. Hindi Drama & One act play : हिन्दी नाटक एवं हिन्दी एकांकी

नाटक की परिभाषा एवं स्वरूप : वर्गीकरण तथा विभिन्न प्रकारों का रूपात्मक अध्ययन : हिन्दी नाटक के ऐतिहासिक विकास का अध्ययन, नाटक और रंगमंच, नाटक के तत्व, शिल्पगत विधान–प्रकार, श्शैलियाँ, नाटक और एकांकी का अंतर, एकांकी के शिल्पविधान का अध्ययन, प्रमुख नाटककारों के कृतित्व एवं उनके प्रमुख नाटकों का अध्ययन, नाटक के प्रकार, साठोत्तर नाटक, समकालीन नाटक, नुककड नाटक, रेडियो नाटक, व्यंग्यात्मक नाटक, काव्य नाटक आदि का वितृत ध्ययन।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : डा. दसरथ ओझा
2. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्षीनारायण पाल
3. हिन्दी नाटक साहित्य का आलोचनात्मक अद्ययन: वेदपाल खन्ना
4. हिन्दी एकांकी नाटक और एकांकीकार : डा. रामचरण
5. हिन्दी गीतनाट्य: डा. कृष्ण सिन्हा
6. हिन्दी के समस्या नाटक: विनयकुमार
7. हिन्दी ऐतिहासिक नाटकों मेंइतिहास तत्व: डा. धनंजय

8. हिन्दी के पौराणिक नाटक: डा. देवर्षि सनाध्य
9. हिन्दी के स्वच्छंदतावादी नाटक : डा. देवर्षि सनाध्य

4. Hindi satire Literature: हिन्दी व्यंग्य साहित्य

व्यंग्य का स्वरूप एवं व्यंग्य की परंपरा, व्यंग्य की व्युत्पत्ति, व्यंग्य का अर्थ, व्यंग्य की परिभाष–[भारतीय एवं पाश्चात्य] व्यंग्य की उपयुक्तता एवं व्यंग्य के प्रकार, व्यंग्य के पर्याय, हास्य और व्यंग्य में अंतर एवं संबंध, हिन्दी व्यंग्य परंपरा का विकास, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य, प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख व्यंग्यकार, साठोत्तरी व्यंग्य प्रवृत्तियाँ एवं पर्मुख व्यंग्यकार। समकालीन व्यंग्य एवं व्यंग्यकार।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी के प्रमुख व्यंग्यकार– डा, स्मिता चिपलूणकर, अल्का प्रकाशन, कानपुर
2. हिन्दी व्यंग्य परंपरा मेंशंका प्रणताने का योगदान– डा. अनुपमा रत्नाकर प्रभुणे, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर।
3. परसायी के साहित्य में समकालीन यथार्थ– डा. संध्याकुमारी सिंह, अमन प्रकाश्न, कानपुर।
4. लतीफ धोंधी का व्यंग्य संसार– डा. एम. बासंती, जवहार पुस्तकालय, मथुरा।
5. नरेंद्र सोहनी देश के शुभचिंतक– नरेंद्र कोहली , वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6.

5. Contemporary Criticism: समकालीन विमर्श

नारी विमर्श, दलित विमर्श, अल्प संख्यक विमर्श, आदिवासी विमर्श, संरचना एवं उत्तर संरचनावादी विमर्श।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी आलोचना– डा. विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली।
2. हिन्दी आलोचना का विकास– डा.नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन नै दिल्ली।
3. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी– निर्मल जेन, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
4. औरत के लिए औरत– नासिरा श्शर्मा,सामयिक प्रकाशन, नईदिल्ली।
5. स्त्री सशक्तीकरण के विविध आयाम डा. ऋषभ देव शर्मा, गीता प्रकाशन हेदराबाद
6. दलित साहित्य का सौंदर्यबोधप्रा. रामावतार यादव, अमन प्रकाशन कानपुर
7. हिन्दी दलित आत्मकथा: डा, संजय नवले, अमन प्रकाशन कानपुर।
8. दलित साहित्य का सेद्धांतिकरण– डा. एन, सिंह, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

6. Comparative Research : तुलनात्मक अनुसंधान

तुलनात्मक साहित्य : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, तुलनात्मक साहित्य : क्षेत्र, भारतीय परिप्रेक्ष, तुलनात्मक साहित्य: पद्धति–विजान और विश्लेषण, तुलनात्मक आलोचना, अंतविद्यावर्ति आलोचना का स्वरूप एवं विश्लेषण, भारतीय साहित्य, भारतीय लोक साहित्य, अवधारण, स्वरूप क्षेत्र, तुलनात्म साहित्य में अनुवाद की भूमिका, तुलनात्मक साहित्य, प्रायोगिक रूप,– हिन्दी एवं कन्नड/ मराठी/ अंग्रेजी/ कोंकणी।

हिन्दी और कन्नड भक्ति साहित्य, आधुनिक काव्य, हिन्दी और कन्नड नाटक/ एकांकी साहित्य, हिन्दी और कण्णड कथा साहित्य, हिन्दी और कन्नड आत्म कथा[विशेष अध्ययन– बसव और कबीर, बेंद्रे और पन्त कार्नाड और मोहन राकेश, शिवराम कारंत और प्रेमचंद]त्हिन्दी और मराठी भक्ति साहित्य, अधुनिक काव्य, हिन्दी और मराठी नाटक, /एकांकी साहित्य, हिन्दी और मराठी कथा साहित्य, हिन्दी और मराठी आत्म कथा [विशेष अध्ययन, तुकाराम और कबीर, इंदिरा संत और महादेवी, विजया तेंडुल्कर और मोहन राकेश, आनंद यादव और नागार्जुन, माधवी देसायी और मन्नु भंडारी]

सहायक ग्रंथ :

1. तुलनात्मक साहित्य: भारतीय परिप्रेक्ष: इंद्रनाथ चौधरी: वाणी प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली–2
2. तुलनात्मक अध्ययन: राजकमल बोरा, लिकभारती प्रकाशन महात्मा गांधी मार्ग . इलहाबाद–3
3. भारतीय साहित्य: स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : राजकमल प्रकाशन कश्मीरी गेट, नई दिल्ली–6